समावेशी विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम: लखनी बिगहा में आयोजित हुआ बैंकिंग जागरूकता शिविर

REKYC, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं एवं निष्क्रिय खातों के पुनः सक्रिय करने पर दिया गया विशेष जोर

देखो भारत न्यूज

पटना : भारत सरकार की समावेशी विकास की नीति के तहत एवं भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के निदेर्शानुसार, बैंक ऑफ इंडिया, खगौल शाखा (पटना अंचल) द्वारा दानापुर प्रखंड के लखनी बिगहा ग्राम पंचायत स्थित शिव मंदिर मठ परिसर में एक दिवसीय बैंकिंग जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को बैंकिंग सेवाओं की मुख्यधारा से जोड़ना, फएङ उ प्रक्रिया को सरलता से पूर्ण कराना तथा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (PMSBY), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (PMJJBY) एवं अटल पेंशन योजना (APY) जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रति जागरूकता फैलाना रहा।

मुख्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति

इस अवसर पर भारतीय रिजर्व बैंक के रीजनल डायरेक्टर श्री सुजीत कुमार अरविंद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही महाप्रबंधक श्री प्रभात कुमार एवं महाप्रबंधक श्री अमित कुमार, बैंक ऑफ इंडिया बिहार राज्य के महाप्रबंधक श्री साहनी, तथा पटना अंचल के अंचल अधिकारी श्री ओ. पी. चौधरी सहित कई वरिष्ठ अधिकारीगण मंचासीन रहे। इन सभी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोगों को जागरूक करने का कार्य किया।

फएङ उ की अनिवार्यता पर जोर

कार्यक्रम में बताया गया कि वर्ष 2015 में खोले गए जनधन खातों के फएङ उ का समय अब अतिदेय हो चुका है। पइक के दिशानिर्देशों के अनुसार, प्रत्येक 10 वर्षों में खाताधारकों को ङ उ प्रक्रिया का पुनः अद्यतन कराना आवश्यक होता है, ताकि खाते सक्रिय बने रहें और धोखाधड़ी की संभावना को रोका जा सके।

इस संदर्भ में आयोजित शिविर में 100 से अधिक खाताधारकों ने डिजिटल माध्यम से अपना फएङ उ सफलतापूर्वक पूरा कराया, जिससे उनका खाता फिर से सुचारू रूप से संचालित हो सका।

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में उत्साहजनक भागीदारी

शिविर में प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत सैकड़ों लोगों ने पंजीकरण कराया, जिससे उन्हें भविष्य में वित्तीय सुरक्षा का लाभ मिलेगा। डिजिटल फ्रॉड और निष्क्रिय खातों पर विशेष सत्र

इस कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों द्वारा डिजिटल फ्रॉड के बारे में भी सरल एवं सुलभ भाषा में विस्तृत जानकारी दी गई। ग्रामीणों को बताया गया कि कैसे वे डळढ, फर्जी कॉल, फिशिंग लिंक जैसे घातक धोखाधड़ी से स्वयं को सुरक्षित रख सकते हैं।

साथ ही, 10 वर्षों से निष्क्रिय खातों की चर्चा भी की गई, जिनकी राशि ट्रांसफर कर दी जाती है। इन खातों की राशि को पुनः प्राप्त करने की प्रक्रिया भी सरलता से समझाई गई – जिसमें एक सामान्य आवेदन पत्र एवं अद्यतन ङ उ दस्तावेज भरकर राशि वापस ली जा सकती है।

ग्राहक सेवा के प्रति समर्पण का संकल्प

कार्यक्रम के अंत में पइक और बैंक ऑफ इंडिया के वरिष्ठ अधिकारियों ने यह आश्वासन दिया कि वे आम जनता को सरल, सुरक्षित एवं सुलभ बैंकिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने यह भी कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों तक डिजिटल एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करना बैंकिंग प्रणाली की प्राथमिकता है।